

नगा वदिरोह

प्रलिमिंस के लयि:

राष्ट्रीय जाँच एजेंसी (NIA), नगा शांति प्रकरयि, नगा हलिंस, सशस्त्र बल (वशिष शक्तयिँ) अधनियिम (AFSPA), 1975 का शलिांग समझौता, बरू समझौता 2020, बोडो शांति समझौता 2020, कार्बी आंगलॉग समझौता 2021, मजिो शांति समझौता 1986, नगरकिता (संशोधन) अधनियिम 2019, राष्ट्रीय नागरकि रजसिटर (NRC)

मेन्स के लयि:

नगा शांति प्रकरयि, मुक्त आवाजाही व्यवस्था (FMR)

स्रोत: द हदि

चर्चा में क्योँ?

हाल ही में राष्ट्रीय जाँच एजेंसी (National Investigation Agency- NIA) ने गुवाहाटी न्यायालय में एक आरोप पत्र दायर कयि, जसिमें नेशनल सोशलसि्ट काउंसलि ऑफ नगालैंड-इसाक मुइवा (NSCN-IM) के "चीन-म्याँमार मॉड्यूल" पर, भारत में घुसपैठ के लयि दो प्रतबिंधति मैतेई संगठनों के कैडरों का समर्थन करने का आरोप लगाया गया।

- NIA का आरोप है कि NSCN-IM की कार्रवाइयों का उद्देश्य मणपुरि में जातीय अशांति का लाभ उठाना, राज्य को अस्थिर करना और भारत सरकार के खिलाफ युद्ध की शुरुआत करना था।

नगा वदिरोह और संबंधति मुद्दे क्या है?

- नगा:
 - नगा भारत के उत्तरपूर्वी भाग और म्याँमार के पड़ोसी क्षेत्रों में रहने वाला एक स्वदेशी समुदाय है।
 - ऐसा व्यापक रूप से माना जाता है कि वे इंडो-मंगोलॉयड हैं जो 10वीं शताब्दी ईसा पूर्व के आसपास भारत में चले आए थे।
- नगाओं का इतिहास:
 - ब्रिटिश शासन के अधीन नगा: नगा पहली बार वदिशी शासन के अधीन आए जब 19वीं शताब्दी में अंगरेजों ने उनकी भूमि पर कब्जा कर लयि।
 - द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान नगा: द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान, नागाओं ने ब्रिटिश सेना की सहायता की।
 - नगा नेशनल काउंसलि (Naga National Council- NNC) की स्थापना वर्ष 1946 में हुई थी और उसने असम के राज्यपाल के साथ 9-सूत्री समझौते (Nine-Point Agreement) पर हस्ताक्षर कयि जसिसे नगाओं को उनके क्षेत्र पर नियंत्रण मलि गया।
 - 14 अगस्त, 1947 को नगा स्वतंत्रता की घोषणा की गई।
 - 1950 के दशक में NNC ने नगा की संप्रभुता पर हथियार उठाए और हसिा का सहारा लयि।
 - NNC ने वर्ष 1952 में भूमिगत नगा संघीय सरकार (Naga Federal Government- NFG) और इसकी सैन्य शाखा, नगा संघीय सेना (Naga Federal Army- NFA) का गठन कयि।
 - शलिांग समझौते (1975) के बाद NNC, NSCN में वभिजति हो गया, जो वर्ष 1988 में पुनः NSCN (IM) और NSCN (खापलांग) में वभिजति हो गया।
- नगा का मुद्दा:
 - नगा समूह मुख्य रूप से ग्रेटर नगालिमि की मांग कर रहे हैं, जसिमें पूर्वोत्तर के सभी नगा-बसे हुए क्षेत्रों को एकप्रशासनकि अधिकार क्षेत्र के तहत एकजुट करने के लयि सीमाओं को फरि से तैयार करना शामिल है, जसिका लक्ष्य अंततः संप्रभु राज्य का दर्जा प्राप्त करना है।
 - इसमें अरुणाचल प्रदेश, मणपुरि, असम और म्याँमार के वभिन्न क्षेत्र भी शामिल हैं।
 - इस मांग में पृथक नगा येजाबो (नगाओं का संवधान) और नगा राष्ट्रीय ध्वज भी शामिल है।
- शांति की पहल:

- **शलांग समझौता (1975):** शलांग में हस्ताक्षरित एक शांति समझौते में NNC नेतृत्व नरिसूत्रीकरण के लिये सहमत हुआ, लेकिन नेताओं के बीच असहमति के कारण संगठन में आंतरिक विभाजन हो गया।
- **युद्धविराम समझौता (1997):** NSCN-IM ने भारतीय सशस्त्र बलों पर हमलों को रोकने के लिये सरकार के साथ युद्धविराम समझौते पर हस्ताक्षर किये। बदले में सरकार द्वारा सभी उग्रवाद वरिधी आक्रामक अभियानों को नयित्त्रति कथिया गया था।
- **NSCN-IM के साथ फरेमवर्क समझौता (2015):** इस समझौते में भारत सरकार ने नगाओं के अद्वितीय इतिहास, संस्कृति और स्थिति तथा उनकी भावनाओं व आकांक्षाओं को मान्यता दी।

नगालैंड और मणपुर में संघर्ष की स्थिति क्या है?

■ मणपुर में संघर्ष का इतिहास:

- मणपुर में 16 ज़िले हैं, लेकिन इस राज्य को आमतौर पर 'घाटी' और 'पहाड़ी' ज़िलों में विभाजित माना जाता है।
 - **राज्य के घाटी क्षेत्र में अधिकतर मैतेई समुदाय का वर्चस्व है।**
- मणपुर घाटी नचिली पहाड़ियों से घरी हुई है और 15 नगा जनजातियों तथा चनि-कुकी-मज़ो-ज़ोमी समूह (Chin-Kuki-Mizo-Zomi group) का निवास है, जसिमें कुकी (Kuki), थाडौ (Thadou), हमार (Hmar), पाइट (Paite), वैफेई (Vaiphei) और ज़ाउ (Zou) समुदाय के लोग शामिल हैं।
- ब्रिटिश सरकार द्वारा संरक्षित मणपुर के कांगलेइपक साम्राज्य (Kangleipak kingdom) पर उत्तरी पहाड़ियों से आए नगा जनजातियों ने हमला कर दिया था। ब्रिटिश राजनीतिक एजेंट मैतेई और नगाओं के बीच एक बफर के रूप में कार्य करके घाटी को लूट से बचाने के लिये बर्मा की कुकी-चनि पहाड़ियों से कुकी-ज़ोमी लोगों को लाए थे।
- कुकी, नगाओं जैसे खतरनाक शीर्ष-शिकारी योद्धा को नीचे इफाल घाटी के लिये ढाल के रूप में कार्य करने के लिये चोटियों के किनारे ज़मीन दी गई थी।

■ कुकी-मैतेई विभाजन: पहाड़ी समुदायों (नगा और कुकी) और मैतेई (घाटी) में साम्राज्य काल से ही जातीय तनाव रहा है। 1950 के दशक में स्वतंत्रता के लिये नगा आंदोलन ने मैतेई और कुकी-ज़ोमी के बीच विद्रोह को जन्म दिया।

- कुकी-ज़ोमी समूहों ने 1990 के दशक में भारत के भीतर 'कुकीलैंड' (भारत के भीतर एक राज्य) नामक एक राज्य की मांग के लिये सैन्यीकरण किया। इसने उन्हें मैतेई लोगों से अलग कर दिया, जिनका उन्होंने पहले बचाव किया था।
 - जबकि मैतेई लोग अपनी जनजातीय स्थिति को बहाल करने की मांग कर रहे हैं, जैसा कि मणपुर के वर्ष 1949 में भारत में वलिय से पहले मान्यता प्राप्त थी।

■ हालिया संघर्ष का कारण:

- **परसीमन प्रकरिया में मुद्दे:** वर्ष 2020 में, वर्ष 1973 के बाद से राज्य में पहली परसीमन प्रकरिया के दौरान, मैतेई समुदाय ने दावा किया कि उपयोग किये गए जनगणना के आँकड़े गलत थे, जबकि आदिवासी समूहों (कुकी और नगा) ने तर्क दिया कि 40% जनसंख्या होने के बावजूद विधानसभा में उनका प्रतिनिधित्व कम है।
- **पडोसी क्षेत्र से प्रवासियों की घुसपैठ:** फरवरी 2021 में म्यांमार के तखतापलट ने भारत के पूर्वोत्तर में शरणार्थी संकट उत्पन्न कर दिया है, मैतेई नेताओं ने चुराचंदपुर ज़िले के गाँवों में प्रवासियों की अचानक वृद्धि का दावा किया है।
- **हसिा को बढ़ावा देना:** प्रारंभिक हसिक वरिधी एक कुकी गाँव को बेदखल करने से उत्पन्न हुआ, जसिमें चूडाचंदपुर-खोपुम संरक्षित वन क्षेत्र के 38 गाँवों को कथित रूप से अनुच्छेद 371 C का उल्लंघन करते हुए "अवैध बस्तियों" करार दिया गया।

■ उग्रवादियों के हितों का अभिसरण (Convergence of Interest of Militants): हाल ही में दाखल किया गया आरोप पत्र (Charge Sheet) मौजूदा जातीय संकट के दौरान नगालैंड स्थिति NSCN-IM और इफाल घाटी स्थिति विद्रोही समूहों के बीच संबंधों को प्रदर्शित करता है।

- गरिफतार किये गए व्यक्तियों में से एक पीपुल्स लबरेशन आरमी (PLA) का प्रशिक्षित कैडर है, जो उन आठ मैतेई विद्रोही समूहों में से एक है, जिनमें "सशस्त्र संघर्ष के माध्यम से भारत से मणपुर को अलग करने की वकालत करने" के लिये गृह मंत्रालय (Ministry Of Home Affairs- MHA) द्वारा प्रतिबंधित किया गया है। "
- PLA का गठन वर्ष 1978 में हुआ था और यह पूर्वोत्तर में सबसे हसिक आतंकवादी संगठनों में से एक बना हुआ है तथ्यवर्तमान में इसका नेतृत्व एम.एम. नगौबा कर रहे हैं।

पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों में संघर्ष की स्थिति:

- **मज़ोरम:** वर्ष 1987 में राज्य का दर्जा प्राप्त करने से पूर्व मज़ोरम असम का हसिसा था और "मौतम अकाल (Mautam famine)" के दौरान सहायता के अनुरोध पर केंद्र सरकार की अपर्याप्त प्रतिक्रिया के कारण उग्रवाद का सामना करना पड़ा था, वर्ष 1966 में लालडेंगा के नेतृत्व में मज़ो नेशनल फ्रंट ने स्वतंत्रता की मांग की थी।
- **त्रिपुरा:** ब्रिटिश शासति पूर्वी बंगाल से हड्डिओं की बहुतायत जनसंख्या के कारण स्वदेशी आदिवासी लोगों की संख्या घटकर अल्पसंख्यक हो गई, जसिसे हसिक प्रतिक्रिया हुई और आदिवासी अधिकारों की बहाली की मांग करने वाले उग्रवादी समूहों का उदय हुआ।
- **असम:** अवैध प्रवासियों को नरिवासति करने के आह्वान के कारण वर्ष 1979 में यूनाइटेड लबरेशन फ्रंट ऑफ असम (United Liberation Front of Assam- ULFA) जैसे उग्रवादी समूहों के साथ-साथ बोडो लबरेशन टाइगरस और नेशनल डेमोक्रेटिक फ्रंट ऑफ बोडोलैंड (National Democratic Front of Bodoland- NDFB) जैसे अन्य उग्रवादी समूहों का उदय हुआ।
- **मेघालय:** असम से मेघालय के नरिमाण का उद्देश्य गारो, जैतिया और खासी सहित प्रमुख जनजातियों की वशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करना

था, लेकिन आद्विासी स्वायत्तता की आकांक्षाओं के कारण **GNLA** और **HNLC** जैसे वदिरोही आंदोलनों को भी बढ़ावा मला ।

- **अरुणाचल प्रदेश: अरुणाचल प्रदेश** ऐतहासकल रूप से एक शांतपूरण राज्य रहा है, लेकिन म्याँमार और नगालैड से नकलटता के कारण, हाल ही में उगरवाद में वृद्धा हुई है । इस क्षेत्र में एकमात्र स्वदेशी वदिरोह आंदोलन अरुणाचल ड्रैगन फोर्स (**Arunachal Dragon Force- ADF**) है, जसलने 2001 में इसका नाम बदलकर ईस्ट इंडया लललरेशन फ्रंट (East India Liberation Front- EALF) कर दया ।

आगे की राह

- **लोकुर समतल (1965)** और **भुरया आयोग (2002-2004)** जैसी वभिन्न समतलियों की सफारशों के अनुसार **अनुसूचतल जनजातल (ST) सथतल** (मैतेई के लया) के मानदंडों का आकलन करने की आवश्यकता है ।
- म्याँमार से **प्रवासयों की घुसपैठ को रोकने** के लया सीमावर्ती क्षेत्रों में **नगरानी को बढ़ाया जाना** चाहया ।
- पड़ोसी देशों के साथ **आर्थकल और राजनयकल संबंधों** में सुधार क्षेत्रीय सथरता एवं सुरक्षा को मज़बूत करने में योगदान दे सकता है ।
- **सीमावर्ती क्षेत्र के समुदायों की पहचान** को सुरक्षतल रखने तथा सथरता सुनश्लतल करने के लया वदिरोही समूहों के साथ शांतल समझौतों पर बातचीत करनी चाहया ।
- वशवास-नरमाण उपायों को लागू करने के साथ-साथ **AFSPA** की **नयमतल समीक्षा** करना आवश्यक है ।
 - सरकार को स्वामतलव और जुड़ाव की भावना उत्पन्न करने के लया नरणय लेने में **स्थानीय जनसंख्या की भागीदारी** को प्रोत्साहतल करना चाहया ।

दृषुटल मेन्स प्रश्न:

प्रश्न. भारत के उत्तर पूर्वी क्षेत्र में प्रचलतल आंतरकल सुरक्षा चुनौतयों पर चर्चा कीजया । इन चुनौतयों से नपलटने में सरकारी उपायों की प्रभावशीलता का मूल्यांकन कीजया ।

UPSC सवलल सेवा परीक्षा, वगतल वर्ष के प्रश्न

??????:

प्रश्न. दक्षणल एशया के अधकलतर देशों तथा म्याँमार से लगी वशषकर लंबी छदलरलल सीमाओं की दृषुटल से भारत की आंतरकल सुरक्षा की चुनौतयों सीमा प्रबंधन से कैसे जुड़ी हैं? (2013)

प्रश्न. भारत की सुरक्षा को गैर-कानूनी सीमापार प्रवसन कसल प्रकार एक खतरा प्रसतुत करता है? इसे बढ़ावा देने के कारणों को उजागर करते हुए ऐसे प्रवसन को रोकने की रणनीतयों का वरणन कीजया । (2014)